पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

5 सितंबर को इतिहास रचेंगे अरिजीत सिंह

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 75 ■ शुक्रवार, 30 मई 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ में मिली सर कटी लाश

- पुलिस को लाश का सर नहीं मिला
- लाश के पास मिली शराब की बोतल
- टिटवाला पुलिस कर रही जांच
- मृत युवक के मुस्लिम होने का अनुमान

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के नालिंबी तीन झाड़ के पास पहाड़ी पर एक व्यक्ति की सर कटी लाश पुलिस को मिली है. हत्यारे ने व्यक्ति का सर गर्दन से काटकर धड़ को वहीं छोड़कर चला गया है. हत्यारे ने कटे सर को पहाड़ी के नीचे फेंक दिया अथवा साथ में ले जाकर नदी में फेंक दिया अथवा साथ में ले जाकर नदी में फेंक दिया होगा, ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है. पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. अंबरनाथ नालिंबी तीन झाड़ परिसर टिटवाला पुलिस की हद में आता है. अंबरनाथ में सर कटी लाश का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. इसलिए शहर में लाश के बारे में काफी चर्चा हो रही है. अंदाजा ये

लगाया जा रहा है कि रात में अज्ञात हत्यारे ने किसी कारण से उस व्यक्ति की हत्या की है. तीन झाड़ परिसर में अंबरनाथ शहर के लोग सुबह और शाम में वॉकिंग के लिए जाते हैं. सर कटी लाश मिलने की चर्चा वॉकिंग पर जाने वालों में भी है. ये परिसर शहर पश्चिम के चिंचपाड़ा से केवल दस मिनट की दूरी पर है. चर्चा इस बात की भी है कि लाश अंबरनाथ के किसी व्यक्ति की हो सकती है. मरे व्यक्ति की आयु 21-22 वर्ष है. उसके पैर में चप्पल, जीन्स पैंट और फूल चेक शर्ट पहने हुए हैं. पुलिस जांच में ये पता चल रहा है कि ये एक मुस्लिम समाज का युवक है. व्यक्ति को उसी स्थान पर मारकर गला काट कर सर को हत्यारा अपने साथ ले गया होगा. ताकि लाश की पहचान ना हो सके. लाश के पास ही बहुत सारा रक्त फैला हुआ है. टिटवाला पुलिस अधिक जांच कर रही है.

खदान के पास पुलिस चौकी स्थापित

अंबरनाथ शहर के प्रवेशद्वार पर स्थित तीन झाड़ी क्षेत्र एक दर्शनीय क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। वन विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इस क्षेत्र में कई नागरिक घूमने के लिए जाते हैं। कई जोड़े भी यहाँ बैठते हैं। कई परिवार यहाँ घूमने के लिए आते हैं। साथ ही, कुछ समूह अक्सर यहाँ शराब पार्टी करते देखे जाते हैं। इन तीन झाड़ी के बगल में कल्याण तालुका शुरू होता है। यह दो गाँवों, नलिम्बी और वसत शेलवली की सीमा है। चूँकि यह क्षेत्र दर्शनीय है, इस जगह से उल्हास नदी और प्रकृति का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। इसलिए यहाँ हमेशा पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यहाँ कुछ अस्थायी खाद्य दुकानें भी हैं। रात में अक्सर यहाँ शराबी बैठते हैं। इससे पहले, तीन झाड़ी में कुछ हत्या के मामले सामने आए थे। दिलचस्प बात यह है कि अभी दो दिन पहले ही अंबरनाथ शहर के प्रवेशद्वार पर खदान के पास एक पुलिस चौकी स्थापित की गई थी।

क्राइम ब्रांच ने गांजा व हशीश पकड़ा, 1 अरेस्ट

- उल्हासनगर क्राइम ब्रांच पुलिस ने अंबरनाथ में की कार्रवाई
- 1 किलो 400 ग्राम गांजा व 25 ग्राम हशीश जब्त

उल्हासनगर. उल्हासनगर क्राइम ब्रांच पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ड्रग्स बेचने की तैयारी कर रहे एक व्यक्ति को पकड़ा है, यह कार्रवाई ड्रग डीलरों के लिए बड़ा झटका साबित हुआ है। पुलिस ने अंबरनाथ भगत सिंह नगर इलाके में बिक्री के लिए गांजा और हशीश ला रही व्यक्ति को रंगे हाथों पकड़ा है और उसके पास से 1.30 लाख रुपए का माल जब्त किया है। पुलिस एक और अन्य महिला की तलाश कर रही है।

28 मई 2025 को उल्हासनगर क्राइम ब्रांच के कर्मचारी बबन बांडे को गोपनीय सूचना मिली कि एक व्यक्ति (अंबरनाथ पश्चिम के भगत सिंह नगर में बिक्री के लिए गांजा और हशीश लाने वाला है।

तदनुसार, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीरंग गोसावी, बबन बांडे, चंद्रकांत सावंत, सुरेश जाधव, गणेश गावड़े, योगेश वाघ, राजेंद्र थोरवे, विक्रम जाधव, संजय शेरमाले, रामदास उगले और महिला पुलिस अधिकारी मनोरमा सावले ने घटनास्थल पर जाल बिछाया। पुलिस ने जाल बिछाया और संदिग्ध को पकड़ा। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम अल्लाहबख्श गुगुडवली शेख (54 वर्ष, निवासी भगत सिंह नगर, बड़ौदा बैंक के पीछे, झुग्गी बस्ती, अंबरनाथ प.) बताया। उसके बैग से पुलिस ने 1 किलो 400 ग्राम गांजा (कीमत 90,000) और 25 ग्राम हशीश (कीमत 40,000) ऐसे कुल 1,30,000 का माल जब्त किया। उसके बाद अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

- फरार महिला तस्कर की तलाश जारी

इस अपराध में शबाना शेख (भगत सिंह नगर, बड़ौदा बैंक के पीछे, अंबरनाथ प.) नामक महिला शामिल है और फिलहाल फरार है। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। ड्रग सप्लाई चेन को उजागर करने में उसकी जांच महत्वपूर्ण होगी।

अंबरनाथ में गोमांस बेचने वाले 13 पर अपराध दर्ज

- 1450 किलो गोमांस जब्त
- 7 गिरफ्तार, 3 दिन की रिमांड पर

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पुलिस ने वुलन चाल की 9 दुकानों पर छापा मारकर 1450 किलो गोमांस जब्त करके 13 लोगों पर अपराध दर्ज किया है. पुलिस ने 7 को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश करके तीन दिन की रिमांड पर लिया है. अंबरनाथ के क्राइम निरीक्षक किशोर शिंदे ने पत्रकारों को बताया कि वुलन चाल में पुलिस ने 9 दुकानों पर बुधवार की सुबह में कार्रवाई करते हुए 1450 किलो मांस को जब्त करके 13 लोगों पर अपराध दर्ज किया. मांस डम्पिंग मैदन में नष्ट किया गया. सुबह से दोपहर 3 बजे तक ये कार्रवाई चलती रही. इन दुकानों को पुलिस ने सील कर दिया है. जिन 13 लोगों पर अपराध दर्ज किया गया है, उनके नाम हैं - रियाज शेख (51), यूसुफ शेख, सकलेन जलाल शेख, मोहम्मद फजल (70), कमरूद्दीन शेख, अबु शेख (49), आजाद कुरैशी (40), फिरोज कुरैशी, अशपाक कुरैशी, जाफर खान, पप्पू कुरैशी, फारुक शेख, करीम शेख. इन आरोपियों पर भा.न्या.सं. एवं महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम के अनुसार अपराध दाखिल किया गया है. दुकान मालिकों का कहना है कि वह गोमांस नहीं बेचते हैं, वह कल्याण स्लाटर हाउस से भैंस का मांस रसीद के साथ लाकर बेचते हैं. पुलिस उनकी बातों को मान नहीं रही है. दुकान मालिकों ने कहा है कि वह ठाणे पुलिस आयुक्त से भेंट करके उनके पास अपना खुलासा रखेंगे.

उल्हासनगर की सड़कों पर अवैध पार्किंग

- हर जगह ट्रैफिक जाम
- ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई करेगी?
- खुदाई के कारण सभी सड़कों की हालत गंभीर

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर की सड़कें अनाधिकृत पार्किंग से भरी पड़ी हैं, इसलिए शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या भी बढ़ती जा रही है। उल्हासनगर 4 वीनस चौक से लालचक्की चौक की ओर जाने वाली सड़क को ड्रेनेज पाइपलाइन बिछाने के लिए कुछ समय के लिए खोदा गया था। उसके बाद, यह सड़क लंबे समय तक बंद रही, लेकिन अब इस सड़क पर काम पूरा हो गया है और कांक्रीटिंग भी की गई है और यह सड़क यातायात के लिए खोल दी गई है। हालांकि, जबकि शहर की कई ऐसी सड़कों की मरम्मत की जा रही है, वहां अनधिकृत पार्किंग बनाई जाती है। ऐसी पार्किंग उस सड़क पर भी बनाई गई थी, लेकिन अब सड़क को फिर से खोल दिया गया है, लेकिन सड़क पर अनधिकृत पार्किंग को नहीं हटाया गया है। जो सड़क खुली है, उस पर अनधिकृत कारें पार्क की जाती हैं। इसलिए यात्रियों को भी बेवजह परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर के नागरिकों का ध्यान अब इस बात पर है कि क्या ट्रैफिक पुलिस शहर की ऐसी सड़कों पर अनधिकृत पार्किंग को रोकेगी।

मनपा के खिलाफ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

- मनपा ने अधूरी बनी सड़क का अदा किया बिल

उल्हासनगर: शहर के गुलराज टावर से वडोलगांव सड़क का काम पूरा किए बिना ठेकेदार को एक करोड़ का बिल थमाए जाने के मामले में नगर अभियंता संदीप जाधव के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पैनल 12 की पूर्व नगरसेविका सविता तोरणे, - गजानन शेलके, सामाजिक कार्यकर्ता शिवाजी रागड़े और फिरोज खान ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। बुधवार की सुबह पूर्व नगरसेवक महादेव सोनावणे, भगवान मोहिते, दशरथ चौधरी, रामेश्वर गवई द्वारा महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर भूख हड़ताल शुरू की गई।

उल्हासनगर कैप 3 स्थित पैनल क्रमांक 12 गुलराज टावर से वडोलगांव पुल तक की सड़क अभी भी पूरी तरह से नहीं बनी है। हालांकि, एनसीपी प्रवक्ता शिवाजी रागड़े ने आरोप लगाया है कि नगर अभियंता ने उस सड़क का काम पूरा किए बिना ही ठेकेदार कंपनी को एक करोड़ का बिल थमा दिया। चूंकि इस सड़क पर काम वास्तव में शुरू नहीं हुआ है, इसलिए पैनल क्रमांक 12 की पूर्व नगरसेविका सविता तोरणे रागड़े, पूर्व नगरसेवक गजानन शेलके, शिवाजी रागड़े, फिरोज खान, सुमनताई शेलके, शालिनीताई गायकवाड़, रवींद्र केने, गजानन म्हात्रे, प्रकाश म्हात्रे और सभी ग्रामीणों ने आमरण अनशन करने की धमकी दी थी और उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त को एक ज्ञापन दिया था। हालांकि, चूँकि उक्त सड़क पर काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है, इसलिए आज से आमरण अनशन शुरू किया गया है। इस ज्ञापन पर ध्यान देते हुए, आयुक्त ने जल्द से जल्द सड़क पर काम शुरू करने का आदेश भी दिया था। लेकिन संदीप जाधव ने आयुक्त के आदेश को ठेंगा दिखाकर उस सड़क पर काम शुरू नहीं किया। इसलिए, हमें भूख हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा, ऐसा शिवाजी रागड़े ने कहा।

शहर के गड्ढे में पलट गया टेंपो

उल्हासनगर. शहर में पिछले दो साल से चल रहे अधूरे सड़क कार्य, अनियोजित खुदाई और अधूरे कंक्रीटिंग ने अब दुर्घटना संभावित स्थिति पैदा कर दी है। सोशल मीडिया पर 'गड्ढों के शहर' के नाम से मशहूर उल्हासनगर में एक बार फिर गड्ढे के कारण टेंपो पलटने की घटना सामने आई है और नागरिकों का गुस्सा चरम पर है। शहर के कैंप-5 स्थित पेट्रोल पंप से लेकर हिललाइन पुलिस स्टेशन के बीच सड़क को कंक्रीट करने का काम पिछले दो साल से चल रहा है, लेकिन दो साल बीत जाने के बाद भी यह सड़क अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस बीच, इस मार्ग पर गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का

नालिंबी पहाड़ी से मिट्टी सड़क पर गिरना शुरू

- प्रशासन तुरंत कदम उठाए

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर को कल्याण ग्रामीण तालुका एवं अनेक गांव को जोड़नेवाले नालिंबी तीन झाड़ के पास पहाड़ी रास्ता बरसात में वाहन चालकों एवं ग्रामीण भाग के नागरिकों के लिए खतरनाक सिद्ध होने के आसार हैं. यहां पर भारी बारिश के कारण पहाड़ की मिट्टी, पत्थर सड़क पर गिरना शुरू हो गए हैं. इस रास्ते को हाल ही में सीमेंट कंक्रीट का बनाया गया है. कुछ जगह जेसीबी से पहाड़ की मिट्टी निकाली गई है. रास्ता तो कंक्रीट का बना दिया गया है लेकिन सड़क के आसपास संरक्षण दीवार अथवा रेलिंग नहीं लगाई गई है. प्रशासन को इस ओर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है. यहां पर किसी बड़े दुर्घटना के आसार दिखाई दे रहे हैं. क्योंकि इस रास्ते से दोपहिया, चार पहिया वाहन के अलावा ट्रक भी जाते आते हैं. अभी जो पहाड़ी से मिट्टी सड़क पर गिरी है, वह रास्ते के मोड़ पर है. ये रास्ता कल्याण ग्रामीण के गांव के अलावा, टिटवाला और मुरबाड़ जाने के लिए सुविधाजनक हो गया है. सुबह के समय सैकड़ों लोग मॉर्निंग वॉक के लिए यहां पर आते हैं. नालिंबी पहाड़ी पर बड़े-बड़े पेड़ हैं. इन पेड़ों में भी पहाड़ के बड़े पत्थर अटके हुए हैं. किसी भी समय ये बड़े पत्थर इस सड़क पर गिर सकते हैं और दुर्घटना हो सकती है. नालिंबी गांव, भिसोल गांव के नागरिक इसी रास्ते से पैदल या वाहन में अंबरनाथ शहर के मुख्य बाजारों में खरीदारी के लिए आते हैं. प्रशासन ने समय रहते ही इस पर ध्यान देते हुए उपाय योजना करने के लिए कदम उठाए, ऐसा गांववासियों एवं वाहन चालकों की मांग है.

हिललाईन पुलिस ने पकड़ा शातिर चोर

- वृद्धा के गले से चुराई थी सोने की चेन

उल्हासनगर. उल्हासनगर 5 स्थित साईं वसनशाह दरबार के पास 78 वर्षीय व्यक्ति के गले से सोने की चेन चोरी करने वाले आरोपी को हिललाइन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 21 मई को उल्हासनगर शहर के कैंप 5 में स्थित साईं वसनशाह दरबार के पास 78 वर्षीय व्यक्ति के गले से दो अज्ञात व्यक्तियों ने सोने की चेन लूट ली थी। इस घटना के बाद हिललाइन पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। तकनीकी विश्लेषण और सीसीटीवी कैमरे के आधार पर आरोपी नीलेश प्रवीण ताम्हणकर को हिरासत में लिया गया और उसके कब्जे से 56,500 रुपये की सोने की चेन भी बरामद कर ली। यह सफल ऑपरेशन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल जगताप के मार्गदर्शन में सहायक उप-निरीक्षक रावखंडे, पुलिस कांस्टेबल जयेश गुरव, संदीप बर्वे, पुलिस कांस्टेबल सुरेश बड़े, सयाजी काले, संभाजी नाप्ते, महाले और खरमाले द्वारा अंजाम दिया गया।

नाबालिग लड़की ने की आत्महत्या

कल्याण. डोंबिवली पूर्व के ठाकुर्ली खंबालपाड़ा इलाके में रहने वाली 16 वर्षीय लड़की अपने मामा के बेटे से प्यार करती थी। लड़की के परिवार ने इसका विरोध किया, तो लड़की ने खंबालपाड़ा स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. लड़की के परिवार ने इस आत्महत्या की सूचना तिलकनगर पुलिस स्टेशन को दी। पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

17वीं पुण्यतिथि

हम उस महान आत्मा के प्रति श्रद्धावत हैं जिनका कर्मयोगी जीवन सभी का प्रेरणास्त्रोत व मार्गदर्शक रहा है. हम सब आपको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं.

स्व. श्रीमती जस्सी अशोक बोधा

जन्म - 15.8.1947 - मृत्यु - 31.5.2008

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

कर्ज, महंगाई और टूटते सपने

भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार जहां एक ओर पूरी दुनिया को अचंभित करती है, वहीं एक कड़वा सच यह भी है कि करोड़ों परिवार आज भी बहुत मुश्किल से अपना घर चला पा रहे हैं। इनमें से अनेक लोगों को विश्वास है कि वे कर्ज लेकर व्यापार करेंगे, तो अधिक पैसे कमाएंगे और बेहतर भविष्य बनाएंगे।

दूसरी ओर, कुछ को लगता है कि भविष्य के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय उन्हें वर्तमान में जी लेना चाहिए। मगर स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च बढ़ने से उनकी चुनौतियां भी लगातार बढ़ रही हैं। महंगाई और घटती आय की वजह से उनमें निराशा है। उनकी उम्मीदें टूटी हैं। चिंता का विषय है कि बैंकों का बकाया न चुकाने के कारण कई परिवार कर्ज में इस तरह डूब जाते हैं, जहां से निकलना उनके लिए संभव नहीं होता। कुछ लोग आत्महत्या जैसे घातक कदम उठा लेते हैं।

हरियाणा के पंचकूला में एक ही परिवार के सात लोगों की खुदकुशी ऐसा ही मामला है। सच्चाई यही सामने आई है कि इस परिवार पर बैंक का बहुत सारा पैसा बकाया था, जिसे चुकाना उसके लिए मुश्किल हो गया था। कर्ज में डूबा परिवार रोजमर्रा की जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहा था।

अगर देश के नागरिक घर और वाहन खरीदने के लिए कर्ज ले रहे हैं, तो निश्चित रूप से इसके पीछे बेहतर रोजगार और अच्छी आय की संभावनाएं छिपी हैं। मगर कारोबार के लिए लिया गया कर्ज कोई नहीं चुका पा रहा है, तो इस पर सोचने की जरूरत है कि विकास की तेज रफ्तार के बीच उनका कारोबार क्यों पिछड़ रहा है। अगर व्यापारी कर्ज लेकर भी लागत नहीं निकाल पा रहे हैं, तो इसके पीछे के कारणों को समझने और उनका हल निकालने की जरूरत है। इसके लिए नीति निर्माताओं को ही आगे आना होगा।

यह सच भी छिपा नहीं है कि कर्ज में डूबे हजारों किसान खुदकुशी कर चुके हैं। फसलों की लागत न निकल पाने से उनमें भारी निराशा है। छोटे कारोबारियों की स्थिति भी कोई अच्छी नहीं है। जरूरत है कि बेहतर जिंदगी जीने की करोड़ों लोगों की उम्मीदें और सपने बचाने के लिए अब ठोस और सार्थक कदम उठाए जाएं।

पाकिस्तान की हरकतों से इस्लाम की छवि हो रही धूमिल

पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में भारत ने जिस सैन्य कार्रवाई के जरिये पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को निशाना बनाया, उसका नाम आपरेशन सिंदूर रखा, जो भारतीय संस्कृति से जुड़ा है। इसके उलट पाकिस्तान ने भारतीय सेना और नागरिकों के विरुद्ध अपनी कार्रवाई का नाम 'बुनियान मर्सूस' रखा, जो एक कुरआनी शब्द है (अल सफ 61 :04)। 'बुनियान मर्सूस' का अर्थ है-सीसायुक्त दीवार अर्थात बहुत ही मजबूत ढांचा।

कुरआन में 'बुनियान मर्सूस' मानवता के शत्रुओं से लड़ने को मजबूर उन ईमान वालों को कहा गया है, जिनकी ताकत अजेय हो। राजनीतिक मकसद से इस्लाम की शब्दावली का खुला दुरुपयोग पाकिस्तान की पुरानी और संस्थागत आदत है। पाकिस्तान पहले दिन से ही यही सब करता आ रहा है। वह 1947 में इस्लाम और मुस्लिम के नाम पर बना। उस समय भोली-भाली जनता को गुमराह करने के लिए नारा लगाया गया-पाकिस्तान का मतलब क्या–ला इलाहा इल्लल्लाह।

वहां की संविधान सभा में 7 मार्च, 1949 को पारित प्रस्ताव में कहा गया कि संप्रभुता केवल अल्लाह के लिए है। 1956 के संविधान में पाकिस्तान को इस्लामी गणराज्य घोषित किया गया। जनरल जिया के वक्त जिहाद, मुजाहिद, शहीद, काफिर जैसे शुद्ध कुरआनी शब्दों को गलत उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल का चलन आम हो गया। 1999 में कारगिल घुसपैठ को जिहाद कहा गया और भारतीय सेना के हाथों मरने वाले शहीद कहे गए।

पाकिस्तान के इतिहासकार केके अजीज ने अपनी चर्चित किताब 'मर्डर आफ हिस्ट्री' में लिखा है कि पाकिस्तान की पाठ्यपुस्तकों में इस्लामी शब्दों की बहुत गलत व्याख्या की गई है। इन पाठ्यपुस्तकों के जरिये बच्चों में भारत के प्रति नफरत ही पैदा होती है। उम्मत और मिल्लत को पाकिस्तानी राष्ट्रवाद के समानार्थी ठहराया गया है, जबकि कुरआन के अनुसार उम्मत वह है, जो बिना किसी भेदभाव मानवता की सेवा करे। (आल इमरान 3:110) इसी तरह मिल्लत सही रास्ते पर चलने को कहा गया है, जो हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का तरीका है। (अल अनआम 6 :161) इसका कोई संबंध राजनीतिक उद्देश्य से नहीं है। पाकिस्तान भारत में आतंकी हमलों को भी जिहाद कहता है। जबकि कुरआन के अनुसार जिहाद रक्षात्मक लड़ाई है। इसकी इजाजत उन्हीं को ही दी गई है, जिनके विरुद्ध लड़ाई छेड़ दी गई हो। (अल हज 22:39) जिहाद का संबंध साम्राज्य विस्तार या राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए लड़ी गई लड़ाई से हर्गिज नहीं है। जो पाकिस्तानी आतंकी हमारे सुरक्षा बलों के हाथों मारे जाते हैं, वहां उन्हें शहीद कहने में देर नहीं लगाई जाती, जबकि कुरआन के अनुसार शहीद वह है, जो हमेशा सत्य, न्याय की गवाही दे और उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करे। कुरआन उन्हीं मुस्लिमों को शहीद कहता है, जो इस आचरण का सुबूत दें। (अल बकरा 2:143) कोई देश जब अपने सैनिकों को शहीद कहता है तो इसका मतलब होता है मुल्क का शहीद, न कि किसी मजहब-पंथ का।

पाकिस्तान में कोई बड़ा आतंकी मारा जाता है और यहां तक कि लादेन भी तो उसे शहीद कह देते हैं। आपरेशन सिंदूर में जो आतंकी मारे गए, उन्हें सरकार, सेना ने शहीद कहने में देर नहीं की। यह शहीद शब्द का अपमान और इस्लाम को बदनाम करने वाली हरकत है। यदि आपरेशन बुनियान मर्सूस कुरआन के शब्दों में सच में सीसा पिलाई गई दीवार थी, तो वह भारत के सामने इतनी जल्दी क्यों ढह गई? पाकिस्तान को भारत से गुहार क्यों लगानी पड़ी? उसका एयर डिफेंस सिस्टम नाकारा क्यों हो गया?

अगर आप तनिक भी ईमान वाले थे तो यात्री विमानों को ढाल क्यों बना रहे थे? यह कैसा बुनियान मर्सूस था, जो भारत में आम लोगों को निशाना बना रहा था? सच यह है कि पाकिस्तान का कोई लाजिमी रिश्ता इस्लाम से नहीं है। वह इस्लाम की आड़ में हर तरह के गलत काम कर रहा है। उसकी हरकतों से दुनिया भर में इस्लाम की छवि धूमिल हो रही है। भारत और खासकर यहां के मुसलमानों को समझना होगा कि पाकिस्तान की हरकतें विश्व में इस्लाम की बदनामी का कारण बन रही हैं।

आत्मा उस आध्यात्मिक बीज के समान है जो हमारे अंदर सुप्त रहती है, जब तक हम उसे पोषित नहीं करते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मोदी सरकार के 11 वर्ष का लेखा-जोखा

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर भाजपा की ओर से ब्लॉक से लेकर जिले तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करना और विपक्ष की ओर से मोदी शासन को नाकाम बताना स्वाभाविक है। विपक्ष सरकार की निंदा-आलोचना करते समय यह भी ध्यान रखे तो अच्छा कि 11 वर्ष बाद भी वह विकल्प बनने की स्थिति में आता हुआ नहीं दिख रहा है।

इससे यदि कुछ पता चल रहा तो यही कि मोदी सरकार ने अपने इस लंबे कार्यकाल में कुछ ऐसे काम किए हैं, जिनसे देश की जनता संतुष्ट है। इसके पीछे मोदी सरकार के कुछ साहसिक फैसले और कारगर साबित होने वाली योजनाएं एवं कार्यक्रम हैं। जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान जैसी जनकल्याण की योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने का काम किया।

देश में आधारभूत ढांचे का बड़े पैमाने पर जो निर्माण हुआ और जिससे लोगों का जीवन सुगम हुआ, उसकी अनदेखी कोई नहीं कर सकता। मोदी सरकार ने अपने पहले, दूसरे और इस तीसरे कार्यकाल में भी कई ऐसे फैसले लिए, जो मील का पत्थर जैसे रहे। कुछ फैसले तो इतने साहसिक रहे कि उनके बारे में सोचना भी कठिन था, जैसे सीमा पार सर्जिकल स्ट्राइक, तीन तलाक को आपराधिक कृत्य के दायरे में लाना, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्क्रिय करना, पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक करना।

इसी तरह महिला आरक्षण कानून, वक्फ कानून में संशोधन और अभी हाल में पाकिस्तान को पस्त एवं विश्व को दंग करने वाले आपरेशन सिंदूर का कठोर निर्णय लेना।

कोविड महामारी के बाद भी अर्थव्यवस्था को संभाले रखने और देश को चौथी बड़ी आर्थिकी तक पहुंचा देने के साथ भारत को डिजिटल बनाने और विश्व में देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के जो काम किए गए, उनकी उपेक्षा करने का कोई औचित्य नहीं। इसके साथ ही यह भी ध्यान रहे कि कुछ योजनाएं और फैसले अपेक्षित नतीजे नहीं दे सके, जैसे स्मार्ट सिटी एवं आदर्श ग्राम योजना।

नोटबंदी के उद्देश्य भी पूरे नहीं हुए। नई शिक्षा नीति के बाद भी शिक्षा के मोर्चे पर कुछ ठोस प्रगति नहीं दिख रही। इसी तरह न्यायपालिका में सुधार नहीं हो सका। इसका एक कारण तो सुप्रीम कोर्ट की ओर से अड़ंगा लगाना रहा, लेकिन समझना कठिन है कि नौकरशाही में सुधार को सरकार ने अपने एजेंडे में क्यों नहीं लिया? शीर्ष स्तर की नौकरशाही को छोड़ दें तो वह कुल मिलाकर पहले की तरह ही काम कर रही है।

लोग उसके रवैये से त्रस्त हैं। कम से कम अब तो नौकरशाही में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। नए आपराधिक कानून लागू करने के बाद पुलिस सुधार पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इसके साथ ही जनता को जागरूक कर उसे अपने कर्तव्यों के प्रति सजग भी करना चाहिए। दुर्भाग्य से यह काम अपनी नकारात्मकता के चलते विपक्ष भी नहीं कर रहा है।

38 प्लेन, 300 कार और 52 सोने की नाव!

जरा हट के

आपने दुनिया के बड़े-बड़े अमीर लोगों के बारे में सुना होगा. उनकी संपत्ति के बारे में भी जानते होंगे. पर दुनिया में एक ऐसा राजा है, जिसके पास इतनी संपत्ति है कि उसके आगे करोड़पति लोग भी भिखारी लगने लगेंगे क्योंकि इस राजा के पास 38 प्लेन हैं, 300 कारें हैं और 52 सोने की नाव हैं. चलिए आपको बताते हैं कि वो किस देश के राजा हैं.

थाईलैंड के राजा महा वजिरालोन्गकोर्न, जिन्हें राजा राम 10 के नाम से भी जाना जाता है, दुनिया के प्रमुख अरबपतियों में से एक हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी अनुमानित संपत्ति 3.7 लाख करोड़ रुपये (लगभग USD 43 बिलियन) से अधिक है, जिससे उन्हें वैश्विक रूप से सबसे अमीर राजा का खिताब मिला है. कॉर्पोरेट टायकूनों के विपरीत, उनकी संपत्ति सदी पुरानी राजशाही संपत्ति, रियल एस्टेट और थाई बिजनेस में

निवेश से आती है. राजा वजिरलोन्गकोर्न की असाधारण संपत्ति केवल व्यक्तिगत समृद्धि को ही नहीं दर्शाती, बल्कि थाईलैंड की राजशाही संस्था की स्थायी वित्तीय शक्ति को भी दर्शाती है.

2016 में संपत्ति को संभाला स्वयं निर्मित अरबपतियों के विपरीत, जिनकी संपत्ति बिजनेस या तकनीक का परिणाम है, राजा वजिरलोन्गकोर्न की संपत्ति सदियों पुरानी राजशाही परंपरा से बनी है. 2016 में अपने पिता, प्रिय राजा भूमिबल अदुल्यादेज के निधन के बाद, वजिरलोन्गकोर्न ने क्राउन प्रॉपर्टी ब्यूरो (CPB) द्वारा नियंत्रित विशाल संपत्ति को संभाला, एक संस्था जो राजशाही रियल एस्टेट और व्यापारिक हिस्सेदारी के बड़े क्षेत्रों को नियंत्रित करती है. हालांकि, एक बार इसे राज्य संपत्ति माना जाता था. राजा राम 10 ने 2018 में इस व्यवस्था को बदल दिया, जिससे CPB की प्रत्यक्ष प्राधिकारी उनके अपने हाथों में आ गई-इससे उनकी वित्तीय पकड़ और मजबूत हो गई. थाईलैंड के सबसे लाभकारी व्यवसायों में, जैसे बड़े बैंकों, दूरसंचार कंपनियों, और रियल एस्टेट में, वर्षों के रणनीतिक निवेश ने उनकी संपत्ति में भारी योगदान दिया है.

बेसन के गट्टे की सब्जी

सामग्री :

- 1 कप बेसन
- 1/4 छोटी चम्मच हींग
- 1/2 छोटी चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 छोटी चम्मच धनिया पाउडर
- 1/2 छोटी चम्मच अजवाइन
- 1/4 छोटी चम्मच हल्दी
- 1 छोटी चम्मच नमक
- 2 छोटे चम्मच तेल
- 2-3 बड़े चम्मच दही
- 2 बड़े चम्मच तेल
- 1/2 छोटी चम्मच जीरा
- 1/4 छोटी चम्मच हींग
- 1 बड़ा चम्मच धनिया पाउडर
- 1/2 छोटी चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 छोटी चम्मच हल्दी
- 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट
- 1 कप दही या 2 टमाटर
- 1/2 छोटी चम्मच गरम मसाला
- हरा धनिया
- नमक (स्वादानुसार)

विधि :

एक कटोरे में बेसन लें और उसमें हींग, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, अजवाइन, हल्दी, नमक और तेल डालकर मिलाएं। अब इसमें दही डालें और थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाकर मुलायम आटा गूंथ लें। आटा ज्यादा नरम नहीं होना चाहिए। अब इस आटे से पतली-पतली लोइयां बनाएं और पानी में इन लोइयों को 7-8 मिनट तक उबालें। उबलने के बाद गट्टे को बाहर निकालकर ठंडा होने दें और फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें जीरा व हींग डालकर भूनें। फिर इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर हल्का भूनें। इसके बाद धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी डालकर मसाले को तेल में भून लें। इसके बाद इसमें दही और टमाटर प्यूरी डालकर अच्छी तरह पकाएं। जब ये पक जाए, तो इसमें 1 कप पानी डालें और उबाल आने दें। अब कटे हुए गट्टे डालकर 5-7 मिनट तक पकाएं। लास्ट में गरम मसाला और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

एसिडिटी और बदहजमी ने कर दिया है परेशान?

डाइट में शामिल करें 5 सीड्स

क्या आपको भी अक्सर खाना खाने के बाद पेट में जलन, खट्टी डकारें या भारीपन महसूस होता है? अगर हां, तो आर्टिकल आपको जरूर पढ़ना चाहिए। दरअसल, एसिडिटी और बदहजमी आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी का एक आम हिस्सा बन गए हैं। खराब खान-पान, अनियमित दिनचर्या और तनाव अक्सर इन समस्याओं को जन्म देते हैं। ऐसे में, 29 मई को मनाए जाने वाले World Digestive Health Day 2025 के इस खास मौके पर, हम आपको बताएंगे 5 ऐसे सीड्स के बारे में, जिन्हें अपनी डाइट में शामिल करके आप इन परेशानियों से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानें।

■ सौंफ के बीज

सौंफ सिर्फ माउथ फ्रेशनर नहीं है, बल्कि यह पाचन के लिए एक शानदार औषधि है। इसमें मौजूद एनेथोल नामक एंजाइम पाचन एंजाइम्स को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पचता है। सौंफ की तासीर ठंडी होती है, जो एसिडिटी और पेट की जलन को शांत करने में मदद करती है। यही वजह है कि खाना खाने के बाद सौंफ चबाना फायदेमंद माना जाता है। आप चाहें, तो डिनर के बाद इसकी चाय को भी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

■ चिया सीड्स

ये छोटे-छोटे बीज पोषक तत्वों का पावरहाउस होते हैं। चिया सीड्स घुलनशील फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पानी को सोखकर जेल बनाते हैं। यह जेल पाचन तंत्र में एक चिकनी परत बनाता है, जिससे खाना आसानी से आगे बढ़ता है और कब्ज की समस्या दूर होती है। फाइबर पेट को भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आप ओवरईटिंग से बचते हैं। इसलिए डाइजेशन को हेल्दी रखने के लिहाज से चिया सीड्स भी आपकी डाइट में शामिल होने चाहिए। आप चिया सीड्स को रात भर पानी में भिगोकर छोड़ दें और फिर सुबह इसे खाएं। इसके अलावा, आप स्मूदी या दही में मिलाकर भी इन्हें खा सकते हैं।

■ अलसी के बीज

अलसी के बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। ओमेगा-3 सूजन को कम करने में मदद करता है, जो एसिडिटी और आईबीएस जैसी पाचन से जुड़ी समस्याओं में राहत देता है। इसका फाइबर भी पाचन को सुचारु बनाता है। इसके लिए आप अलसी के भुने हुए बीजों को पीसकर पाउडर बना लें और फिर इसे सलाद, दही या सब्जियों पर छिड़ककर खाएं।

■ जीरा

जीरा सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि यह पाचन के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह गैस और सूजन को कम करने में मदद करता है। जीरा पानी में भिगोकर पीने से या जीरा पाउडर का सेवन करने से डाइजेशन बूस्ट होता है और पेट हल्का महसूस होता है। ऐसे में, आप एक गिलास पानी में आधा चम्मच जीरा डालकर उबालें और फिर इसे ठंडा करके छानने के बाद ही पिएं। इसके अलावा खाने में भी जीरे का इस्तेमाल करने से डाइजेशन हेल्दी बना रहता है।

■ मेथी दाना

मेथी दाना अपने कड़वे स्वाद के लिए जाना जाता है, लेकिन यह पाचन से जुड़ी कई समस्याओं का रामबाण इलाज है। इसमें म्यूसिलेज नामक एक्टिव होता है जो पेट की अंदरूनी परत को शांत करता है और एसिडिटी से राहत दिलाता है। इसके साथ ही, यह कब्ज और सूजन को भी कम करता है। इसलिए, रात को एक चम्मच मेथी दाना पानी में भिगो दें और सुबह खाली पेट इस पानी को पीकर दाने चबा लें।

आज का राशिफल

मेष : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

वृषभ : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से कोई भी कार्य न करें। विवाद में न पड़ें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा।

मिथुन : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। आय होगी। व्यापार ठीक चलेगा। बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कर्क : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा। समय अच्छा व्यतीत होगा। प्रसन्नता रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।

सिंह : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। कुसंगति से दूर रहें। हानि संभव है। विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें।

कन्या : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जल्दबाजी न करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

तुला : व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा।

वृश्चिक : यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें।

धनु : नवीन कार्ययोजना फलीभूत होगी। नौकरी वर्ग का कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। आज पुराने मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। धन के लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल बना है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

मकर : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। परिवार के साथ रहने का अवसर प्राप्त होगा। लाभ होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी।

कुंभ : हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मीन : किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। समय सुखमय व्यतीत होगा। बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

दांतों के दर्द ने मुश्किल कर दिया है खाना-पीना

■ तो जल्द आराम दिलाएंगे दादी मां के 5 घरेलू नुस्खे

■ लहसुन का करें इस्तेमाल

खाने का स्वाद बढ़ाने वाले लहसुन के इस्तेमाल से आप दांत दर्द से राहत पाने के लिए कर सकते हैं। इसमें नेचुरल एंटी-बैक्टीरियल और एनाल्जेसिक गुण होते हैं, जो दर्द से राहत दिलाते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए लहसुन की एक कली को चुटकी भर नमक के साथ कुचलें और फिर दर्द वाली जगह पर लगाएं। आप चाहें तो लहसुन की एक कली को चबा भी सकते हैं या दर्द वाले दांत के पास रख सकते हैं।

■ हल्दी का पेस्ट लगाएं

औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी भी दांत दर्द की समस्या से आपको राहत दिलाने में मदद कर सकती है। इसका इस्तेमाल करना बेहद आसान है। आपको बस हल्दी पाउडर और पानी की मदद से पेस्ट बनाकर इसे प्रभावित जगह पर लगाना होगा और फिर इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी और दर्द निवारक गुण से आपको जल्द आराम मिल जाएगा।

■ नमक के पानी से कुल्ला करें

दांत से दर्द से जल्द आराम पाने के लिए नमक का पानी सबसे असरदार तरीका है। नमक के पानी से कुल्ला करने दर्द और सूजन कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए गर्म पानी में एक चम्मच नमक मिलाकर इससे कुल्ला करना है।

■ अदरक भी होगी कारगर

अगर आप दांत दर्द से परेशान हैं, तो अदरक को पानी के साथ मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे दर्द वाले हिस्से पर लगाएं। ये पेस्ट सूजन को कम करने और दर्द से राहत दिलाने में मदद करेगा।

■ लौंग का तेल लगाएं

लौंग के तेल सदियों से दांत दर्द का इलाज करते आ रहा है। इसमें यूजेनॉल होता है, जो एक नेचुरल एनेस्थेटिक है। कॉटन बॉल पर थोड़ी मात्रा में तेल लगाएं और दर्द वाले दांत या मसूड़े पर रखें। ध्यान रखें कि आप इसे निगलें नहीं और मसूड़ों पर सीधे न लगाएं, वरना आपको जलन हो सकती है।

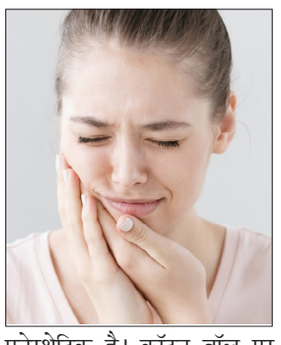

■ फिटकरी का इस्तेमाल करें

यह दांत दर्द को ठीक करने के सबसे पुराने उपायों में से एक है। फिटकरी के पानी से कुल्ला करने से दर्द वाला हिस्सा कुछ समय के लिए सुन्न हो सकता है और दर्द से छुटकारा मिलता है।

■ अमरूद के पत्ते चबाए

दांत दर्द की समस्या से निजात पाने के लिए अमरूद के पत्तों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। ताजे अमरूद के पत्तों को चबाने या अमरूद के पत्तों से बना पेस्ट बनाकर लगाने से दांत दर्द से राहत मिल सकती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अरंडी!

आयुर्वेद में तमाम ऐसे पेड़-पौधों को जिक्र है जो सेहत के लिए फायदेमंद साबित हुए हैं. लेकिन जानकारी के अभाव में हम उनके लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं. इनमें कुछ तो ऐसे भी हैं जिनके फल-फूल, पत्ते या बीज सभी के सेहत लाभ हैं. ऐसा ही एक नाम है अरंडी. आयुर्वेदाचार्य बताते हैं कि इसके फल, फूल, पत्ते या बीज हर एक भाग लाभदायी होता है. इसके इस्तेमाल से 1, 2 या फिर 3 नहीं, ढेरों लाभ हो सकते हैं. अब सवाल है कि आखिर अरंडी के फायदे क्या हैं? आइए जानते हैं इस बारे में-

अरंडी के सेहत लाभ

बुखार, कफ-पेट दर्द: अरंडी बुखार, कफ, पेट दर्द, सूजन, बदन दर्द, कमर दर्द, सिर दर्द, मोटापा, कब्ज, पेट के कीड़े, बवासीर, रक्तदोष, भूख कम लगने की समस्या को दूर करने में भी लाभदायक है. यह खांसी, जुकाम, बलगम तथा पेट दर्द संबंधी समस्याओं में भी राहत देता है. यही नहीं, अरंडी के तेल से मालिश करने से मांसपेशियां मजबूत बनती हैं.

अपच-कब्ज दर्द: पंजाब स्थित 'बाबे के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल' के डॉ. प्रमोद आनंद तिवारी बताते हैं कि अपच, कब्ज दर्द में राहत देने के अलावा अरंडी और भी कई हेल्थ बेनिफिट देता है. यह त्वचा और बालों के लिए भी बेहद लाभकारी होता है और सूजन, जलन से भी राहत दिलाता है.

अरंडी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकलने में मदद करता है."

सिर दर्द: जिन लोगों के सिर या शरीर में दर्द होता है, उन्हें अरंडी के तेल से मालिश करना चाहिए, इससे राहत मिल सकती है. हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके इस्तेमाल में एहतियात बरतने की भी सलाह देते हैं. आयुर्वेदाचार्य ने बताया, "अरंडी आमाशय को शिथिल करता है और इससे गर्मी भी उत्पन्न होती है. ज्यादा सेवन करने से उल्टी या जी घबराने की समस्या भी हो सकती है. इस वजह से इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए."

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

रेप के बाद गले में ठोंकी आठ इंच की कील, बच्ची से दरिंदगी; डॉक्टरों ने दिया जीवनदान

बलरामपुर. बलरामपुर में दरिंदों ने रेप के बाद बच्ची के गले में आठ इंच की कील ठोंक दी। गंभीर अवस्था में पुलिस व परिवारीजन बच्ची को लेकर केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने बच्ची का जटिल ऑपरेशन कर कील निकालकर नया जीवन दिया है। डॉक्टरों का दावा है कि बच्ची की तबीयत खतरे से बाहर है। जिला बलरामपुर निवासी सात साल की बच्ची के साथ 15 मई को रेप की घटना हुई। दरिंदों ने रेप के बाद बच्ची के गले में ढोढ़ी के नीचले हिस्से में कील ठोंक दी थी। खून से लथपथ अवस्था में परिवारीजन बच्ची को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद बच्ची को जिला अस्पताल रेफर कर दिया था।

सेना पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को राहत देने से हाई कोर्ट का इनकार, याचिका खारिज

लखनऊ. सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका मिला है। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी है। राहुल गांधी के विरुद्ध लखनऊ की एक स्थानीय अदालत में परिवाद दाखिल करते हुए आरोप लगाया गया है कि उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी की थी।

यूपी में बंधक रखे दलित युवक से मार-पीट, मुर्गा बनाया, पेशाब पिलाने की कोशिश

प्रयागराज. यूपी के प्रयागराज में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उससे कई तरह से टॉर्चर करने की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि नैनी कोतवाली क्षेत्र के डभांव चाका के रहने वाले एक दलित युवक ने आधा दर्जन से अधिक युवकों पर उसे बंधक बनाकर पीटने, दो घंटे तक मुर्गा बनाए रखने के साथ ही पेशाब पिलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। पीड़ित युवक ने अपने परिजनों के साथ नैनी कोतवाली पहुंचकर आधा दर्जन युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फर्जी मार्कशीट पर यूपी पुलिस में 14 साल तक की सिपाही की नौकरी, ऐसे खुला राज, बर्खास्त

बलिया. 12वीं की फर्जी मार्कशीट के सहारे बलिया के युवक ने यूपी पुलिस में सिपाही की नौकरी हासिल कर ली। इसके बाद करीब 14 साल तक वह अलग-अलग जिलों में नौकरी पर तैनात रहा। 2 साल पहले हुई शिकायत पर कराई गई जांच में पूरा राज खुलने पर पुलिस अफसरों ने आरोपी को बर्खास्त कर दिया। मामले आरआई लाइन धनश्याम ने अब आरोपी सिपाही के अलावा उसके शिकायतकर्ता सगे चाचा के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर कराई है।

नए वैरिएंट पर मौजूदा वैक्सीन बेअसर

एक्सपर्ट बोले- कोरोना की चौथी लहर आई तो 28 दिन रहेगी; देश में 1326 एक्टिव केस

नई दिल्ली. देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आज एक्टिव केसों की संख्या 1326 पहुंच गई। वहीं, मौतों की संख्या 14 हो गई है, इनमें सबसे ज्यादा 6 मौतें महाराष्ट्र में हैं।

उधर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) कानपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि 2022 के बाद नए वैरिएंट की वजह से कोविड पेशेंट कई बार बढ़े हैं, लेकिन कोई गंभीर स्थिति नहीं देखी गई। मेरा अंदाजा है कि इस बार भी बहुत परेशान होने की जरूरत नहीं हैं।

वहीं, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (BHU) के प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे के मुताबिक कोविड की चौथी लहर आती है तो उसका असर 21 से 28 दिन तक रहेगा। यह दूसरी लहर की तरह जानलेवा नहीं होगी।

एक्सपर्ट बोले- नए वैरिएंट पर वैक्सीन का असर नहीं

प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे का कहना है कि जिन लोगों ने वैक्सीनेशन करवाया था, उन्हें भी सावधानी बरतने की जरूर है। इसकी वजह यह है कि वैक्सीनेशन नए वैरिएंट का असर होने से नहीं रोक सकता। हालांकि, वैक्सीनेशन की इम्यूनिटी अभी भी पूरी तरह से कमजोर नहीं हुई है। यह आपके शरीर को नए वैरिएंट से लड़ने में मदद जरूर कर सकती है।

कोरोना से जुड़े आज के बड़े अपडेट्स

- जम्मू-कश्मीर में कोविड-19 के दो मामले सामने आए हैं। दोनों केरल के रहने वाले हैं और श्रीनगर के गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं।
- महाराष्ट्र के कल्याण में बुधवार को 67 साल के एक बुजुर्ग की मौत हो गई। उसे 25 मई को भर्ती कराया गया था। प्रेस रिलीज के मुताबिक उन्हें हाई बीपी और डायबिटीज थी। उन्होंने कोविड वैक्सीन भी नहीं लगवाई थी।
- चंडीगढ़ में बुधवार को UP के रहने वाले 40 साल के एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह पंजाब के लुधियाना में काम करता था और सांस लेने में तकलीफ के बाद मरीज को चंडीगढ़ रेफर किया गया। वहां उसका टेस्ट कोरोना पॉजिटिव आया था। मौतों का आंकड़ा 14 पहुंच गया है।

मणिपुर में 15 जून तक नई सरकार बनने की संभावना

इंफाल. मणिपुर में 15 जून तक नई सरकार बनने की संभावना है। राज्य के 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इनमें 8 भाजपा, NPP और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इनमें से ही एक विधायक ने बताया, 'नई सरकार के ढांचे पर चर्चा हुई है। उम्मीद है कि 15 जून तक एक सरकार बन जाएगी।' इस बीच विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली रवाना हो चुके हैं। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है। राज्य में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के टैरिफ पर रोक लगाई

- कहा- राष्ट्रपति अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़ रहे
- इकोनॉमी का हवाला देकर कुछ भी करना गलत

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को फेडरल ट्रेड कोर्ट ने असंवैधानिक करार देते हुए रोक लगा दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि ट्रंप ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया और संविधान के दायरे से बाहर जाकर ये टैरिफ लगाने की कोशिश की।

मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने ट्रंप के इस कदम को गैर-कानूनी ठहराया। कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने कहा कि ट्रंप ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) का गलत इस्तेमाल किया। ये कानून राष्ट्रपति को आपातकाल में कुछ खास शक्तियां देता है, लेकिन कोर्ट ने माना कि ट्रंप ने इसे बिना ठोस आधार के इस्तेमाल किया।

12 अमेरिकी आयातकों ने भी कोर्ट में याचिका दायर की थी

- इन दोनों ने तर्क दिया कि टैरिफ से छोटे व्यवसायों को भारी नुकसान हो रहा है, क्योंकि आयातित सामान की कीमत बढ़ने से उनकी लागत बढ़ रही थी। कोर्ट ने इन दलीलों को सही माना और कहा कि राष्ट्रपति के पास इतने बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने का संवैधानिक अधिकार नहीं है।

दो मुकदमों के आधार पर फैसला दिया गया:

लिबर्टी जस्टिस सेंटर ने 5 छोटे अमेरिकी बिजनेसेज की ओर से मुकदमा दायर किया, जो इन टैरिफ की वजह से प्रभावित हो रहे थे। ट्रम्प प्रशासन ने इस फैसले के खिलाफ तुरंत अपील करने की बात कही है। ट्रम्प ने अपनी सोशल मीडिया साइट पर दावा किया कि उनकी टैरिफ नीति "अमेरिका को फिर से महान बनाने" के लिए जरूरी थी। हालांकि, कोर्ट ने सुझाव दिया कि ट्रंप ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 के तहत 150 दिनों के लिए 15% तक टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन इसके लिए भी ठोस आधार चाहिए।

इलॉन मस्क ने छोड़ा डोनाल्ड ट्रम्प का साथ

- DOGE से दिया इस्तीफा
- लिखा- मेरा टाइम पूरा हुआ, राष्ट्रपति के पसंदीदा बिल से हैं नाराज

वाशिंगटन. टेस्ला के मालिक और अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क ने ट्रम्प प्रशासन छोड़ दिया है। उन्होंने भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5.30 बजे सोशल मीडिया X पर यह जानकारी दी। मस्क ने कहा कि स्पेशल गवर्नमेंट एम्पलॉयी के तौर पर मेरा समय पूरा हुआ। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद भी दिया। ट्रम्प ने मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (DOGE) का जिम्मा दिया था। जिसका काम सरकार की फिजूलखर्ची कम करना था।

कार्यकाल खत्म होने से एक दिन पहले इस्तीफा

जानकारी के मुताबिक ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद DOGE प्रमुख के तौर पर मस्क की नियुक्ति 30 मई 2025 तक के लिए ही की थी। यानी जब मस्क ने इस्तीफा दिया, उसके एक दिन बाद ही उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था।

ट्रम्प के 'बिग ब्यूटीफुल बिल' के खिलाफ थे मस्क

मस्क के इस्तीफे की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, लेकिन वे उस बिल का विरोध कर रहे थे जिसे ट्रम्प ने बिग ब्यूटीफुल बताया था। मस्क ने कहा था कि DOGE का मकसद खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उसके खिलाफ है।

थरूर बोले- गांधी का देश अब दूसरा गाल आगे नहीं करेगा

- किसी भी हमले का जवाब देगा
- BJP विधायक ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाए

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार रात को कहा कि महात्मा गांधी का भी देश किसी हमले पर दूसरे गाल को आगे नहीं करेगा। जवाब में सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख एकदम साफ है। हम आतंकवाद के खिलाफ पूरी दृढ़ता से खड़े हैं।

उन्होंने यह बात पनामा में भारतीय दूतावास के एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि (महात्मा गांधी ने) स्वतंत्रता आंदोलन में हमें यह भी सिखाया कि हमें हमेशा अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना चाहिए।'

ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्ष रखने के लिए शशि थरूर सहित 7 सांसदों के नेतृत्व में ऑल पार्टी डेलिगेशन 5 देशों का दौरा कर रहे हैं। वे अमेरिका में अपना दौरा पूरा कर चुके हैं। इस समय पनामा का दौरा चल रहा है। इसके बाद डेलिगेशन गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा।

भाजपा विधायक ने वायुसेना को 'नालायक' कहा, बाद में सफाई दी

उधमपुर ईस्ट से भाजपा विधायक रणवीर पठानिया ने ऑपरेशन सिंदूर पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एयरफोर्स के पायलट सोए हुए थे। कुसूर हमारा है, हम लोगों ने इन्हें अपनी पलकों पर बैठा रखा है।'
पठानिया ने भारतीय वायुसेना को 'नालायक' कहा। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान उधमपुर एयरफोर्स स्टेशन को पाकिस्तान ने निशाना बनाया था। 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एयरफोर्स स्टेशन पर क्या हुआ सबको पता है। नालायकी होगी इनकी, सोए होंगे ये लोग, हमारा तो कोई कसूर नहीं है।' वीडियो वायरल होने के बाद पठानिया ने अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा, वायुसेना पर मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

बंगाल में मोदी बोले-पाकिस्तान समझ ले, 3 बार घुसकर मारा

- अब आतंकी हमला हुआ तो कीमत चुकानी होगी
- TMC नेता गरीबों से कट-कमीशन मांगते

कोलकाता. पीएम मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में करीब 32 मिनट का संबोधन दिया। पीएम ने अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान, ममता सरकार के भ्रष्टाचार और केंद्र की नीतियों का जिक्र किया।

पीएम ने कहा, 'पाकिस्तान समझ ले 3 बार घर में घुसकर मारा है। हम शक्ति को पूजने वाले लोग हैं। बंगाल टाइगर की धरती से 140 करोड़ भारतीयों का ऐलान है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।'

राज्य की सत्ताधारी पार्टी TMC पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि, केंद्र की बीजेपी सरकार देशभर में गरीबों को पक्के घर दे रही लेकिन यहां लाखों परिवारों का घर नहीं बन पा रहा है क्योंकि टीमएसी के लोग इसमें भी गरीब के पास से कट और कमीशन की मांग कर रहे हैं। पीएम को आज तीन राज्यों में जाना था। सिक्किम दौरा रद्द होने के बाद वे पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार पहुंचे। यहां सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी। शाम को पीएम बिहार जाएंगे। शाम 5:45 बजे पटना एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का इनॉगरेशन करेंगे। फिर रात में राजभवन में रुकेंगे।

कांग्रेस नेता के पूर्व-PA को जासूसी के शक में पकड़ा

जैसलमेर. जैसलमेर में सुरक्षा एजेंसियों ने जासूसी के शक में एक सरकारी कर्मचारी को पकड़ा है। सरकारी कर्मचारी शकूर खान मंगालिया जिला रोजगार कार्यालय में क्लर्क (बाबू) है। आरोप है कि वह अपने विभाग को बिना बताए पाकिस्तान की यात्रा पर गया था।

शकूर खान मंगलियों की ढाणी, बड़ोडा गांव का निवासी है। वह 2008 में पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता सालेह मोहम्मद के निजी सहायक (PA) के तौर पर भी काम कर चुका है। उस वक्त सालेह मोहम्मद पोकरण से विधायक थे। शकूर को बुधवार को रोजगार कार्यालय से सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा। उससे पाकिस्तान यात्रा को लेकर पूछताछ की गई। जैसलमेर में पूछताछ के बाद रात को उसे जयपुर लेकर गए।

बताया जा रहा है कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा है, इसलिए उससे जयपुर में सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ करेंगी।

करांची एयरपोर्ट पर पानी खत्म

पाकिस्तान के करांची एयरपोर्ट पर पानी खत्म हो गया है। पाकिस्तानी एक्ट्रेस हिना ख्वाजा ने वीडियो बनाकर बताया कि एयरपोर्ट के वॉशरूम में पानी नहीं है। हिना ख्वाजा पाकिस्तान की चर्चित एक्ट्रेस हैं। वह मूल से कश्मीरी हैं। उनके माता-पिता बंटवारे के दौरान पाकिस्तान चले गए थे।

IRCTC घोटाले में 23 जुलाई को फैसला

लालू यादव भी आरोपी : होटल के टेंडर में गड़बड़ी का आरोप; 7 साल तक की हो सकती सजा

नई दिल्ली. IRCTC होटल घोटाले में 23 जुलाई को कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी। गुरुवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा है।

CBI के एडिशनल डायरेक्टर, राकेश अस्थाना ने बताया था- 'लालू यादव रेल मंत्री थे, तब रेलवे के पुरी और रांची स्थित BNR होटल को IRCTC को ट्रांसफर किया था। इन्हें रख-रखाव और इम्प्रूव करने के लिए लीज पर देने की प्लानिंग थी।'

इसके लिए टेंडर विनय कोचर की कंपनी मेसर्स सुजाता होटल्स को दिए गए। टेंडर प्रॉसेस में हेर-फेर किया गया था। टेंडर की यह प्रॉसेस IRCTC के उस वक्त के MD पीके गोयल ने पूरी की।

17 जुलाई 2017 को CBI ने लालू समेत 5 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। इस सिलसिले में उनके 12 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

IRCTC मामले में हो सकती है 7 साल की सजा

इन धाराओं में तेजस्वी के लिए आगे काफी मुश्किल खड़ी हो सकती है। ट्रायल के दौरान अगर CBI पर्याप्त सबूत और गवाह प्रस्तुत कर देती है तो आरोपी को 7 साल तक की सजा हो सकती है। फिलहाल 2019 से वे इस मामले में जमानत पर चल रहे हैं। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें और राबड़ी देवी को जमानत दे दी थी।

लालू परिवार को मिली 3 एकड़ जमीन

CBI के अनुसार, रेल मंत्री रहते लालू प्रसाद ने 2005-06 में कोचर बंधुओं को IRCTC के 2 होटल (रांची, पुरी) लीज पर दिलाए। इसके बदले पटना में 3 एकड़ जमीन ली। कोचर बंधुओं ने यह जमीन सरला गुप्ता की कंपनी को बेची। बाद में इस कंपनी का मालिकाना हक राबड़ी और तेजस्वी की कंपनी के पास आ गया। इसी जमीन पर बिहार का सबसे बड़ा मॉल बन रहा था।

पत्रकार पति-पत्नी ने खाया जहर

पीलीभीत. उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में बरखेड़ा थाना क्षेत्र में पत्रकार पति-पत्नी ने गुरुवार को जहर खा लिया। जहर खाने से पहले उन्होंने एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जिले के अधिकारियों पर कई संगीन आरोप लगाए। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पत्नी की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। बीसलपुर क्षेत्राधिकारी प्रतीक दहिया ने मीडिया को बताया कि दंपत्ति के जहर खाने के प्रकरण की पुलिस सभी एंगिल से जांच और पूछताछ कर रही है। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप

4x400 मीटर मिक्स्ड रिले से भारत को दूसरा गोल्ड

- डेकाथलॉन में तेजस्विन को सिल्वर
- कुल मेडल 8 हुए
- चीन की टीम दूसरे स्थान पर रही

भारत की 4x400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। साउथ कोरिया में हो रहे टूर्नामेंट में रूपल चौधरी, संतोष कुमार, विशाल टीके और सुभा वेंकटेशन की भारतीय चौकड़ी ने 3 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ टॉप स्थान हासिल किया। इनमें से रूपल ने दिन की शुरुआत में इंडविजुअल विमेंस 400 मीटर में सिल्वर मेडल भी जीता।

4x400 मीटर मिक्स्ड रिले में चीन की टीम 3 मिनट 20 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रही। टीम को सिल्वर मेडल मिला। जबकि श्रीलंका ने 3 मिनट के 21.95 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता।इससे पहले, रूपल ने 400 मीटर और पूजा ने 1500 मीटर में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। यूनुस शाह ने मेंस की 1500 मीटर में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

- डेकाथलॉन में तेजस्विन ने सिल्वर जीता

डेकाथलॉन, जिसमें 10 गेम होते हैं। इसमें तेजस्विन शंकर ने भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता। वे 10वें रेगुलेशन इवेंट के बाद 7618 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे चीन के फेई जियांग (7634) से पीछे और जापान के कीसुके ओकुडा (7602) से आगे रहे। प्रवीण चित्रावेल ने भी मेंस ट्रिपल जंप में 16.90 मीटर के बेस्ट परफॉरमेंस के साथ सिल्वर मेडल जीता।

नक्सलियों ने लूटा 5000 किलो बारूद

- छत्तीसगढ़ में अलर्ट
- 25-25 किलो के पैकेट थे, इससे 200 SUV या 100 बख्तरबंद गाड़ियां उड़ाई जा सकती हैं

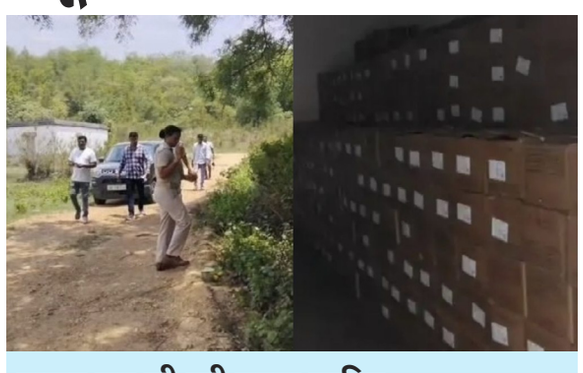

रायपुर. छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर नक्सलियों ने 5000 किलोग्राम बारूद लोड वैन को लूट लिया है। इसमें 25-25 किलो के 200 पैकेट विस्फोटक थे। पत्थर खदान में लूटने के लिए 20-30 की संख्या में नक्सली पहुंचे थे। मंगलवार शाम की इस घटना के बाद से छत्तीसगढ़ में अलर्ट जारी है।

फोर्स के मुताबिक लगातार ऑपरेशन के बाद नक्सली बौखलाए हुए हैं और वो किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। एक्सपर्ट की माने तो विस्फोटक इतना है कि 200 SUV या 100 बख्तरबंद गाड़ियां उड़ाई जा सकती हैं।

बारूद को झारखंड सीमा से लगे सुंदरगढ़ जिले के बैंग पत्थर खदान ले जाया जा रहा था, तभी नक्सलियों ने अटैक कर दिया। ड्राइवर को किडनैप कर वैन सहित बारूद को जंगल की ओर ले गए। विस्फोटक कितना शक्तिशाली हो सकता है.

बारूद लूट की पूरी घटना जानिए...

- बारूद गोदाम के मालिक तरुण कुमार अग्रवाल ने बताया कि वैन लंगालकाटा इलाके पहुंची थी, तभी रात करीब 8.30 बजे खदान में हथियारबंद 20/30 नक्सली आ गए। ड्राइवर और मजदूरों को बंदूक दिखाकर धमकाया। नक्सलियों ने वैन से अनलोड किए गए बारूद के पैकेट्स को दोबारा वैन में रखने को कहा।
- इसके बाद माओवादी ड्राइवर देवनाथ टोप्पो को अगवा कर वैन को अपने कब्जे में लेकर जंगल की ओर ले गए। जंगल के भीतर पहले से 20/30 से अधिक नक्सली इंतजार कर रहे थे। उन्होंने बारूद को वैन से जंगल में उतार लिया। इसके बाद ड्राइवर और वैन को वहीं छोड़कर बारूद लेकर जंगल में चले गए। टोप्पो के मुताबिक वो लोग कह रहे थे कि रहम जंगली लोग हैं/नक्सली लोग हैं।

लॉरेंस विश्नोई का शार्प शूटर एनकाउंटर में ढेर

2 घंटे मुठभेड़, 14 राउंड फायरिंग, सीने में गोली लगी; दरोगा-सिपाही भी घायल

हापुड़. यूपी के हापुड़ में STF ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर को एनकाउंटर में मार गिराया है। बुधवार रात नोएडा STF और दिल्ली पुलिस ने शूटर को घेरा तो उसने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इसमें एक दरोगा और सिपाही गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक इंस्पेक्टर और दरोगा बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगने से बाल-बाल बच गए। जवाबी फायरिंग में बदमाश नवीन कसाना के सीने में गोली लग गई। पुलिस उसे अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, दोनों घायल पुलिसकर्मियों का इलाज जारी है। मुठभेड़ दो घंटे तक चली। इस दौरान 14 राउंड फायरिंग हुई। STF ने 8 और बदमाश ने 6 गोलियां चलाईं। मुठभेड़ बुधवार रात 11 बजे कोतवाली क्षेत्र के प्रीत विहार में हुई। नवीन लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य था। वह गैंग के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर हाशिम बाबा के साथ मिलकर दिल्ली और यूपी में अपराध करता था।

फ्रांसीसी डॉक्टर 299 बच्चों के शोषण-रेप का दोषी

- भतीजी को भी नहीं छोड़ा, 2 पीड़ितों ने खुदकुशी की
- कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई

पेरिस. फ्रांस में एक डॉक्टर को 299 बच्चों का यौन शोषण और रेप के मामले में दोषी ठहराया गया है। क्रिमिनल कोर्ट ने दोषी डॉक्टर को बुधवार को 20 साल की सजा सुनाई। यह फ्रांस के इतिहास में बच्चों के यौन शोषण का सबसे बड़ा मामला है। इस केस की सुनवाई फरवरी 2025 से चल रही थी।

दोषी डॉक्टर जोएल ले स्कॉरनेक (74) पहले एक गैस्ट्रिक सर्जन था। उसने 1989 से 2014 तक फ्रांस के 9 क्लिनिक और हॉस्पिटल में काम करते हुए यौन शोषण की घटनाओं को अंजाम दिया। इस खबर के सामने आने के बाद 2 पीड़ितों ने तनाव में आत्महत्या कर ली।

जिस वक्त इन घटनाओं को अंजाम दिया गया, कई पीड़ित बेहोश थे या दवा के असर में ऑपरेशन से उबर रहे थे। इसलिए उन्हें कुछ याद नहीं था। आरोपी ने सबसे पहले 1985 में अपनी 5 साल की भतीजी का यौन शोषण किया था।

आरोपी डॉक्टर अपनी दो भतीजी समेत 4 बच्चों के साथ बलात्कार के मामले में पहले से 15 साल की सजा काट रहा है। उसे इस केस में 2020 में सजा सुनाई गई थी।

संक्षेप...

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

ठाणे. शहर के कोपरी ब्रिज के पास हाइवे पर गुरुद्वारा के सामने एक ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाईकल सवार की मौत हो गयी.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने मौत का कारण हेल्मेट नहीं लगाना बताया है. बताया गया कि गुरुवार को दोपहर लगभग एक बजे गुरुद्वारा के सामने से जा रहे रहा होंडा मोटर साईकल गुजरात से कोल्हापुर जा रही ट्रक की चपेट में आ गया. सड़क पर गिरने की वजह से उसके सर में चोट आयी और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गयी. मृतक का नाम तस्लीम अंसारी बताया गया जो नितिन कंपनी के पास का रहने वाला बताया गया.

बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिले में व्यापक उपाय

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में प्रशासन अलर्ट

ठाणे. जून से सितंबर तक राज्य और जिलों में बाढ़ की स्थिति की संभावना बनी रहती है और इस वर्ष मानसून के समय से पहले आने के कारण पहली बारिश में अस्थायी बाढ़ की स्थिति देखी गई है।इस विषय को लेकर जिलाधिकारी अशोक शिनगारे और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने जिला प्रशासन को सतर्क रहने का आदेश दिया है और व्यापक उपाय लागू किए जा रहे हैं।

प्रमुख उपाय

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठों का समन्वय

जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ दैनिक आधार पर बाढ़ की स्थिति की निगरानी कर रहा है।

स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती

बड़ी आबादी वाले गांवों में 2 महिला और 2 पुरुष कर्मचारी,छोटे गांवों में 1 महिला और 1 पुरुष कर्मचारी 24x7 सेवा करेंगे।इन दलों के पास दवाइयों का स्टॉक और तत्काल जांच के लिए आवश्यक उपकरण होंगे।

पर्याप्त दवाइयों का स्टॉक और शुद्धिकरण सामग्री

ग्राम पंचायत में टीसीएल पाउडर, मेडीक्लोर आदि जल शुद्धिकरण सामग्री उपलब्ध रखने के निर्देश। महामारी रोगों के प्रकोप

को रोकने के लिए सभी आवश्यक दवाओं का स्टॉक उपलब्ध रखने के निर्देश।

दैनिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण

आशा और स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार, दस्त, सर्दी और पेचिश का सर्वेक्षण करेंगे और पाए गए रोगियों पर तत्काल उपचार और निवारक उपाय लागू करेंगे।

कीट जनित रोग नियंत्रण

क्षेत्रों में बुखार के रोगियों से रक्त के नमूने एकत्र करके उनकी जांच करें। चिकनगुनिया,डेंगू के संदिग्ध क्षेत्रों में रक्त के नमूने प्रयोगशाला में भेजे जाएंगे। घरों में 20% जल भंडारण की जांच कर लार्वा की मात्रा निर्धारित की जाएगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों पर कृमिनाशक दवाओं का छिड़काव किया जाएगा।

विस्थापित व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य सेवा स्कूलों,मंदिरों,मंगल कार्यालयों में पानी के कारण घर छोड़ने वाले नागरिकों को चिकित्सा दल उपलब्ध कराए जाएंगे।

जल गुणवत्ता नियंत्रण जल संरक्षकों द्वारा जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया। जल के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। स्वास्थ्य कर्मियों व सहायकों द्वारा प्रतिदिन निगरानी की जाएगी।

ब्लीचिंग पाउडर गुणवत्ता नियंत्रण

गुणवत्ता परीक्षण किए गए पाउडर का ही उपयोग करने का आदेश। ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्टॉक रखने के निर्देश।

जल आपूर्ति रिसाव की मरम्मत

पाइप या वाल्व में रिसाव को तुरंत ठीक करने के निर्देश।

गर्भवती माताओं के लिए विशेष देखभाल

प्रसव की संभावित तिथि को ध्यान में रखते हुए उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की सूची।जरूरत के अनुसार उन्हें स्वास्थ्य संस्थानों में स्थानांतरित किया जाएगा।

सांप और बिच्छू के काटने की उपचार व्यवस्था

सभी प्राथमिक केंद्रों पर संबंधित दवाओं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध। प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति।

लेप्टोस्पायरोसिस की रोकथाम

दिशानिर्देशों के अनुसार बाढ़ के पानी में काम करने वालों के लिए डॉक्सीसाइक्लिन का निवारक उपयोग।

अंतरविभागीय समन्वय

तहसील स्तर पर जल संसाधन, ग्रामीण विकास, कृषि, पशुपालन, शहरी विकास विभागों के बीच समन्वय करके कार्रवाई की जाएगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में इन सभी उपायों को योजनाबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है और जिला प्रशासन किसी भी बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।यह जिला स्वास्थ्य अधिकारी प्रभारी डॉ. दिनेश सुतार ने बताया।

जासूसी के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

पाकिस्तान को गोपनीय जानकारी भेजने का आरोप

मुंबई. सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) को प्रतिबंधित क्षेत्र के बारे में जानकारी प्रदान करने के आरोप में एटीएस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक मुंबई एटीएस को गोपनीय रूप से यह सूचना मिली थी कि कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) को प्रतिबंधित क्षेत्र और सेंसिटिव इलाकों की जानकारी प्रदान कर रहे हैं।

पाकिस्तान को भेजी गोपनीय जानकारी

इसके बाद ATS ने मिली सूचना के आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान जांच एजेंसियों को पता चला कि इस संदिग्ध व्यक्ति की मुलाकात साल 2024 नवंबर के महीने में सोशल मीडिया के माध्यम से PIO से हुई। ATS की जांच में यह पता चला कि संदिग्ध आरोपी साल 2024 से लेकर मार्च 2025 तक गोपनीय इलाकों की जानकारी PIO को व्हाट्सएप के जरिए उपलब्ध कराता था।

पुलिस ने दर्ज इन धाराओं में केस

इस मामले में संदिग्ध आरोपी

और उसके साथ संपर्क में रहे दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ATS की जांच के आधार पर मुंबई से सटे ठाणे जिले में गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 3(1) (बी), 5(ए) और भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल ATS इस मामले में अधिक जांच कर रही है। आतंकवाद विरोधी दस्ता इस प्रकरण में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रहा है।

बता दें कि देश के कई हिस्सों से संदिग्ध जासूसों पर शिकंजा कसा है। इससे पहले अभी हाल में ही कांगड़ा पुलिस ने जासूसी के संदेह में 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया। कांगड़ा के सुखार का रहने वाले अभिषेक भारद्वाज को बुधवार को उसके घर से हिरासत में लिया गया। उसे पूछताछ के लिए देहरा पुलिस स्टेशन लाया गया। पूछताछ के दौरान पुलिस अधिकारियों को अभिषेक के मोबाइल फोन पर संवेदनशील और आपत्तिजनक सामग्री मिली, जो उनके अनुसार भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152बी के अंतर्गत आती है।

वेश्या व्यवसाय लिप्त महिला गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे पुलिस की अनैतिक मानवी वाहुतक शाखा के अधिकारियों ने ठाणे पूर्व स्थित आनंद टाकिज के पास से वेश्या व्यवसाय लिप्त एक महिला को गिरफ्तार किया है.

इस मामले में एक पुरुष एजेंट फरार हो गया जबकि एक पीड़िता को दलदल से छुड़ाया गया है. पुलिस टीम ने आनंद टॉकीज के पास फर्जी ग्राहक और पंच को भेजकर ट्रैप लगाकर छापा मारा क्राइम ब्रांच की टीम ने छापे में एक महीला एजेंट को हिरासत में लेने के बाद उसकी चंगुल से एक पीड़ित लडकी को देहव्यापार के दलदल से रेस्क्यू किया.

पुलिस की टीम ने गिरफ्तार महिला एजेंट के एक सहयोगी (एक पुरुष एजेंट) को वांटेड बताया है.

शिवसेना उद्धव गुट के नेता की धमकी

'राहुल के चेहरे पर कालिख पोत देंगे'

कांग्रेस जताई आपत्ति

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नासिक शहर उप प्रमुख ने कहा है कि राहुल गांधी वीर सावरकर के विरुद्ध हमेशा अपमानजनक टिप्पणी करते हैं। इसे सहन नहीं किया जाएगा। उनके चेहरे पर कालिख पोता जाएगा।

शिवसेना (यूबीटी) ने झाड़ा पल्ला

इस पर महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। लेकिन शिवसेना (यूबीटी) की अधीकृत प्रवक्ता ने अपनी ही पार्टी के उक्त नेता के बयान को उसका निजी बयान बताते हुए

पल्ला झाड़ लिया है।

नासिक में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी की शहर इकाई के उप प्रमुख बाला दराडे की उक्त टिप्पणी से विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (मविआ) में टकराव नजर आ रहा है।

वीर सावरकर की जन्मभूमि नासिक

दराडे ने सावरकर की जयंती के अवसर पर एक मराठी समाचार चैनल से कहा कि हमें गर्व है कि हम वीर सावरकर की जन्मभूमि नासिक में रहते हैं। राहुल गांधी द्वारा सावरकर को माफी वीर कहना अपमानजनक था। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। यदि राहुल गांधी नासिक आते हैं तो हम उनके चेहरे पर कालिख पोत देंगे। यदि हम ऐसा नहीं कर पाए तो हम उनके काफिले पर पथराव करेंगे।

डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऐप पर बदले गए स्टेशनों के नाम और कोड करे बदली

मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को सांसद नरेश म्हस्के ने दिया पत्र

ठाणे. महायुति सरकार ने राज्य के तीन ऐतिहासिक शहर संभाजीनगर, धाराशिव, अहिल्यानगर का नाम बदल दिया है।जबकी रेलवे संचालन में अभी भी पुराने नामों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ठाणे लोकसभा सांसद और रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य नरेश म्हस्के ने मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को एक पत्र के माध्यम से डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऐप पर नए स्टेशनों के नाम और कोड बदलने का सुझाव दिया है।महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के तीन शहरों के नाम उनके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए बदले हैं।बदले हुए शहर के नाम औरंगाबाद का संभाजीनगर (औरंगाबाद स्टेशन कोडः AWB) नया संभाजीनगर; उस्मानाबाद स्टेशन कोडः UMD) का नया नाम धाराशिव; अहमदनगर (अहमदनगर स्टेशन कोड ANG) का नया नाम अहिल्यानगर।रेलवे के डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे।IRCTC ऐप, वेबसाइट, टिकट बुकिंग सिस्टम आदि पर यह नाम और कोड अभी भी पुराने दिखाई दे रहे हैं। इससे यात्रियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है और नए नामों को स्वीकार करना मुश्किल हो रहा है। हालांकि रेलवे के सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपरोक्त नामों और उनके स्टेशन कोड को तुरंत अपडेट करने के लिए संबंधितों को निर्देश दिए जाने चाहिए। इससे महाराष्ट्र के यात्रियों को सुविधा होगी और राज्य सरकार के फैसले को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा ऐसा सांसद नरेश म्हस्के ने सुझाव दिया है। ठाणे के मनसे कार्यकर्ता सुशांत डोम्बे ने भी सांसद नरेश म्हस्के को पत्र लिखकर इसी तरह की मांग की थी।

राज्य में किसानों के लिए विदेशी दौरा अध्ययन भ्रमण योजना

ठाणे. राज्य के किसानों को विदेशों में आधुनिक कृषि तकनीक से परिचित कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा "राज्य में किसानों का अध्ययन भ्रमण" योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में इस योजना में किसानों के चयन के लिए मुख्य मानदंड यह था कि किसान कम से कम 12वीं पास हो तथा आयु सीमा 25 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। कृषि आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय समिति की बैठक में इन मानदंडों में बदलाव किया गया है तथा न्यूनतम शिक्षा तथा अधिकतम आयु साठ वर्ष की शर्त को समाप्त कर दिया गया है।कृषि में महिलाओं के अमूल्य योगदान को देखते हुए महिला किसानों को विदेश में अध्ययन का अवसर करने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 में इस योजना में महिला किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस योजना में वर्ष 2024-25 में विदेश में अध्ययन के लिए यूरोप, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया तथा थाईलैंड का चयन किया गया था। वित्तीय वर्ष 2025-26 में यूरोप, इजराइल, चीन, जापान, मलेशिया, वियतनाम, फिलीपींस और दक्षिण कोरिया जैसे देश शामिल हैं। इस योजना के तहत किसान चयन के मानदंडों में बदलाव के कारण वर्ष 2025-26 के लिए यात्रा का देश, वर्ष 2024-25 में किए गए किसान चयन को रद्द किया जा रहा है। हालांकि जिन किसानों का पहले चयन किया गया था, वे नए सिरे से आवेदन कर सकते हैं और उनकी पात्रता के अनुसार उन्हें भी इस योजना के तहत विचार किया जाएगा। कृषि आयुक्तालय के तकनीकी अधिकारी विप्र-6 ने दिया।

विरार बुलेट ट्रेन स्टेशन पर स्लैब कास्टिंग की शुरुआत

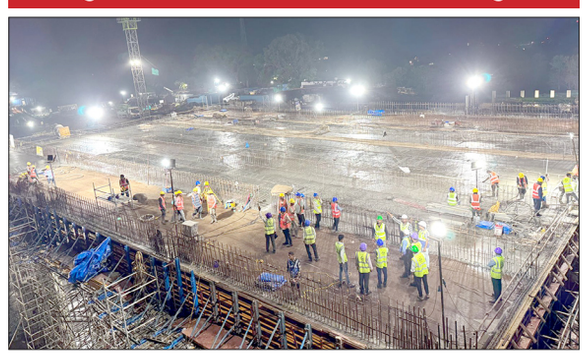

ठाणे. विरार बुलेट ट्रेन स्टेशन पर पहले स्लैब की कास्टिंग शुरू हो गई है। यह स्लैब 50 मीटर लंबा, 35.32 मीटर चौड़ा और लगभग 300 मिमी मोटा है, जिसमें 1555 घन मीटर कंक्रीट का उपयोग किया गया है। इस स्तर पर कुल 9 ऐसे स्लैब होंगे, जो स्टेशन पर ट्रैक बिछाने के कार्य का आधार बनेंगे।स्टेशन में दो स्तर होंगे – कॉन्कोर्स स्तर और रेल स्तर, जिसकी कुल लंबाई 425 मीटर होगी विरार बुलेट ट्रेन स्टेशन एक पहाड़ी पर स्थित है, इसलिए इसका डिज़ाइन पहाड़ों से बहने वाली हवाओं से प्रेरित है।

5 सितंबर को इतिहास रचेंगे अरिजीत सिंह

सिंगर अरिजीत सिंह जल्द ही इतिहास रचने जा रहे हैं। वह यूके के टोटेनहम हॉटस्पर स्टेडियम में परफॉर्म करने वाले पहले भारतीय सिंगर बनेंगे। उनका लाइव शो इसी साल 5 सितंबर को होगा। इस खबर के सामने आते ही अरिजीत सिंह के फैंस काफी एक्साइटेड हो गए।

दरअसल, अरिजीत सिंह पहले भारतीय कलाकार होंगे, जो यूके के किसी बड़े स्टेडियम में हेडलाइन यानी मुख्य कलाकार के रूप में परफॉर्म करेंगे। इस दौरान अरिजीत ने कहा, 'मैं बस एक आम इंसान हूं जो गाना गाता है। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि मुझे फिर से लंदन में गाने का मौका मिल रहा है। अगर इससे इतिहास बनता है, तो ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी।'

फैंस में खुशी

इस खबर के आने के बाद उनके फैंस के बीच खुशी है। लंदन में रहने वाले उनके फैंस अब इस इवेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सिंगर के लंदन में होने वाले इस कॉन्सर्ट की टिकटें 6 जून 2025 की दोपहर से बुक होना शुरू हो जाएंगी।

पिछले साल एड शीरन के साथ दी थी सरप्राइज परफॉर्मेंस

अरिजीत सिंह ने पिछली साल 2024 में लंदन के O2 एरीना में परफॉर्म किया था, जो पूरी तरह से हाउसफुल रहा था। उस शो की खास बात यह थी कि उन्होंने ब्रिटिश पॉप स्टार एड शीरन के साथ सरप्राइज परफॉर्मेंस दी थी, जिसने खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

स्ट्रीट लंदन की रिपोर्ट के मुताबिक, अरिजीत ने यह भी पुष्टि की है कि वह एड शीरन के अगले सिंगल सफायर में उनके साथ काम कर रहे हैं।

'...तो महिला को मार दो'

कोरोना मरीज को लेकर बोला डॉक्टर, केस दर्ज

लातूर. लातूर में एक चौंकाने वाले मामले का खुलासा हुआ है, जहां एक सरकारी अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर के खिलाफ पुलिस ने 2021 में महामारी के दौरान एक सहकर्मी को कोविड-19 पीड़ित मरीज को 'मारने' का निर्देश देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है.

दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप वायरल हुए जिसमें आरोपी डॉ. शशिकांत देशपांडे (जो उस समय लातूर के उदगीर सरकारी अस्पताल में अतिरिक्त जिला सर्जन थे) और डॉ. शशिकांत डांगे (जो एक कोविड-19 देखभाल केंद्र में तैनात थे) के बीच कथित बातचीत थी. इस वायरल क्लिप कथित तौर पर 2021 में कोविड-19 संकट के चरम के समय की है, जब अस्पताल मरीजों से भरे हुए थे और संसाधन कम थे.

बातचीत में डॉ. देशपांडे कथित तौर पर यह कहते हुए सुने गए, ₹किसी को भी अंदर जाने की इजाजत मत दो, बस उस दयामी (नाम की) महिला को मार दो.₹ इस पर डॉ. डांगे ने सावधानीपूर्वक जवाब देते हुए कहा कि ऑक्सीजन सपोर्ट पहले ही कम कर दी गई थी. हालांकि दयामी अजीमुद्दीन गौसुद्दीन (53) की मरीज पत्नी कौसर फातिमा बाद में बीमारी से ठीक हो गईं थी.

गौसुद्दीन की शिकायत के आधार पर उदगीर शहर पुलिस ने 24 मई को देशपांडे के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्य करने और अन्य अपराधों के कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया.

पुलिस ने जब्त किया फोन

इंस्पेक्टर दिलीप गाडे ने बताया कि पुलिस ने देशपांडे का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है, उन्हें नोटिस जारी किया है और उनका बयान दर्ज किया जा रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ऑडियो क्लिप की प्रामाणिकता की जांच कर रही है. पुलिस ने डॉ. डांगे को भी नोटिस जारी किया है. गाडे ने कहा, ₹वह जिले से बाहर हैं और कल आएंगे. उसके बाद हम उनका मोबाइल फोन जब्त करेंगे और जांच करेंगे.₹

एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता ने कहा कि 2021 में महामारी के दौरान उनकी पत्नी कौसर फातिमा कोरोना वायरस से संक्रमित पायी गयी थीं. उन्हें 15 अप्रैल, 2021 को उदगीर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और अस्पताल के प्रबंधन के तहत नांदेड़ रोड पर एक आई हॉस्पिटल के सामने एक इमारत में कोविड-19 उपचार प्रदान किया जा रहा था. डॉ. डांगे उस केंद्र में कोविड-19 रोगियों का इलाज कर रहे थे.

आम सूचना

मैं श्रीमती सुलभा शिलरत्न गायकवाड सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, सिंधी प्रायमरी स्कूल के पास, बिर्ला गेट, तानाजी नगर, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014180700) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सुशिला तुकाराम कार्वेकर के नाम पर है, उनका निधन 19.12.2023 को हुआ है। तुकाराम सखाराम कार्वेकर का निधन 13.5.1994 को हुआ है। सुहास तुकाराम कार्वेकर का निधन 28.8.2016 को हुआ है। श्रीमती राजश्री सुहास कार्वेकर ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 26.5.2025 सी.नं. 1838/2025 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुलभा शिलरत्न गायकवाड

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

(महाराष्ट्र नगरपरिषदा, नगरपंचायती व औद्योगिक नगरी अधिनियम 1965 चे कलम 193 अ व 195 अंतर्गत सूचना)

जाहीर सूचना

महाराष्ट्र नगरपरिषदा, नगरपंचायती व औद्योगिक नगरी अधिनियम 1965 चे कलम 193 व 195 मधील तरतूदीनुसार अंबरनाथ नगरपरिषद हद्दीतील इमारतींचे सर्व मालक अथवा भोगवटदार यांना सूचित करण्यात येत आहे की, आपल्या इमारतीचे बांधकाम सन 2000 किंवा तत्पुर्वी झाले असल्यास, आपली इमारत मानवी वस्तीसाठी योग्य आहे, असे प्रमाणित करण्याच्या प्रयोजनासाठी नगरपरिषदेकडे नोंदणी केलेल्या बांधकाम अभियंत्याकडून (स्ट्रक्चरल इंजिनिअर) अशा इमारतीची तपासणी तातडीने करवून घ्यावी व अशा बांधकाम अभियंत्याने (स्ट्रक्चरल इंजिनिअर) दिलेले बांधकाम सुस्थिती प्रमाणपत्र (स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्ट) मुख्याधिकाऱ्यांकडे सादर करावे.

असेही सूचित करण्यात येत आहे की, नोंदणीकृत बांधकाम अभियंता (स्ट्रक्चरल इंजिनिअर) यांनी दिलेल्या बांधकाम सुस्थिती प्रमाणपत्राच्या / स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्टच्या अनुषंगाने पुढील कार्यवाही करण्याचे पूर्ण अधिकार नगरपरिषदेचे मुख्याधिकारी यांचे आहेत. वर नमुद केल्याप्रमाणे इमारतीच्या संदर्भात इमारतीचे मालक अथवा भोगवटदार यांनी आवश्यक प्रक्रिया करण्यास कसूर किंवा दिरंगाई केल्यास संबंधीत मालक अथवा भोगवटदार हे भारतीय न्याय संहिता 2023 व भारतीय नागरीक सुरक्षा संहिता 2023 नुसार किंवा या संहिता मधील सुधारणेनुसार आवश्यक त्या कलमांतर्गत कारवाईस पात्र असतील याची सर्व शहरवासीयांनी नोंद घ्यावी.

धोकादायक झालेल्या इमारतींचा घरांचा वापर करणे संकट ओढवून घेण्यासारखे आहे. त्यामुळे जिवीत व वित्त हानी होऊ शकते. म्हणून नागरिकांकडून धोकादायक इमारतींचा / घरांचा रहिवास / वापर तात्काळ थांबविण्यात यावा असे आवाहन करण्यात येत आहे. अन्यथा दुर्दैवी अपघात घडल्यास त्याची सर्वस्वी जबाबदारी संबंधितांची राहील याची नोंद घेण्यात यावी.

जा.क्र. अंनप/नरवि/धोकादायक /2025-26/251
दिनांक : 28/05/2025

शिक्का

सही/-
मुख्याधिकारी तथा प्रशासक
अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099